भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4687

उत्तर देने की तारीख : 22 जुलाई, 2019

भारतीय खानपान संस्कृति को बढ़ावा देना

4687. श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल :
डॉ. सुजय विखे पाटील :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हमारे देश की खान-पान विरासत विश्व में सबसे समृद्ध और अनोखी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय खान-पान देश की वस्तुओं के अनुसार व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संतुलित करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) आधुनिक समय की बीमारियों को दूर रखने हेतु भारतीय खान-पान संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) और (ख) : सरकार इस बात से अवगत है कि भारत की एक समृद्ध पाक कला विरासत है। हमारे अधिकांश पारंपरिक व्यंजन सदियों से विकसित हुए हैं।

भारतीय पाक-शैली में विभिन्न क्षेत्रीय पाक शैलियां व्यापक रूप से समाहित हैं जो मूलत: भारत से ही संबंधित हैं। मिट्टी के प्रकार, जलवायु, संस्कृति, जातीय समूह और व्यवसायों की विविधता को ध्यान में रखते हुए, ये पाक शैलियां एक-दूसरे से काफी भिन्न होती हैं और इनमें स्थानीय रूप से उपलब्ध मसालों, जड़ी-बूटियों, सब्जियों और फलों का उपयोग किया जाता है। प्राय: सभी राज्यों की अपनी-अपनी विशिष्ट पाक विधि है।

(ग) : पारंपरिक खान-पान प्राय: स्थानीय लोगों की आवश्यकता के अनुरूप पोषण के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित होते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों

से तैयार किए जाते हैं और इनमें इनके स्वयं के उपचारात्मक और पोषक लाभ पाए जाते हैं।

(घ): सरकार द्वारा भारतीय खान-पान संस्कृति के संवर्धन हेतु निम्नलिखित उपाय किए गए हैं :-

i. राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को भारत पर्व और पर्यटन पर्व आदि जैसे पर्यटन संबंधी कार्यकलापों में खान-पान के स्टॉल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

ii. निजी आयोजकों को पर्यटकों की सुविधा के लिए स्ट्रीट फूड स्टॉल लगाने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।

iii. स्थानीय एवं क्षेत्रीय व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने सुरक्षित और स्वच्छ व्यंजन महोत्सव आयोजित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

iv. स्थानीय एवं क्षेत्रीय व्यंजनों को लोकप्रिय बनाने और इन्हें बढ़ावा देने के लिए देश के वर्तमान फूड स्ट्रीट की अवसंरचना के स्तरोन्नयन सहित क्लीन स्ट्रीट फूड हब की घोषणा हेतु दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं।

v. भारत की क्षेत्रीय पाक शैली पर केन्द्रित पुस्तक का लोकार्पण।

***